

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

पूरक परीक्षा—जुलाई, 2015

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कूटबंध सं. 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

कक्षा XII

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/ मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/2/2	2/1/3		
1	1	2	1	खंड क अपठित गद्यांश	15
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> • 'मनुष्य और सौंदर्यबोध' • सौंदर्यबोध में साहित्य की भूमिका • साहित्य : हमारा मार्गदर्शक (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य) 	1
	ख	ख	ख	<u>साहित्य स्रष्टा</u> <ul style="list-style-type: none"> • साहित्य सृजन करने वाला, लेखक <u>साहित्य-प्रेमी-</u> <ul style="list-style-type: none"> • साहित्य का रसास्वादन करने वाला। • साहित्य की भावनाओं से तथा मनुष्य की भावनाओं से 	1+1=2



ग	ग	ग	<p>प्रेम।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मनुष्य का प्रत्येक वस्तु में सौंदर्य देखने का स्वभाव। ● प्रेम के कारण असुंदर को भी सुंदर मान लेना। 	1+1
घ	घ	घ	<p><u>उच्छृंखलता-</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● संयम न होना। ● आचरण की कुरूपता। <p><u>सौंदर्य-प्रेम-</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● संयम होना ● सामंजस्य होना। 	
ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> ● संयम और सामंजस्य का न होना। ● परायी बहू-बेटियों को घूरना। ● दूसरों के भावों का आदर न करना। 	2
च	च	च	<ul style="list-style-type: none"> ● संयम सौंदर्य बोध को विकसित करने का आधार है। ● जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की शक्ति को विकसित करता है। 	2
छ	छ	छ	<ul style="list-style-type: none"> ● जटिलताओं से मुक्त होने के लिए। ● मानवीय भावों को सही ढंग 	2



	ज	ज	ज	से पहचानने के लिए। ● जीवन को समझने के लिए। ● उपसर्ग- उत् ● प्रत्यय- ता	$1/2+1/2=1$
	झ	झ	झ	● सभी मनुष्य स्वभाव से साहित्य-स्रष्टा होने के साथ-साथ साहित्य-प्रेमी भी होते हैं। <u>अथवा</u> सभी मनुष्य स्वभाव से साहित्य-स्रष्टा होते हुए भी (न होने पर भी) साहित्य प्रेमी होते हैं।	1
2.	2 क	1 क	2 क	<u>अपठित काव्यांश</u> ● उतार-चढ़ाव जैसी कठिनाइयों का सामना करना। सतत प्रवाहमान रहना।	1X5=5
	ख	ख	ख	● दूध की तरह जल से पोषण मिलना। ● हिमालय से निकलने के कारण बर्फ जैसा सफेद रंग।	1
	ग	ग	ग	● नदी की तरह जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनेक कठिनाइयों से जूझने की चंचलता एवं व्याकुलता।	1



	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> जीवन बहुत सुंदर और अनमोल। अथक परिश्रम द्वारा कठिनाइयों को परास्त करते हुए आगे बढ़ना। 	1
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> धरती को। 	1
3	3	3	3	<p style="text-align: center;">खंड ख निबंध लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> भूमिका — 1 विषय वस्तु— 3 भाषा — 1 	5
4	4	4	4	<p style="text-align: center;">पत्र—लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ — 1 विषयवस्तु — 3 भाषा — 1 	5
5	5	—	—	<p>संक्षेप में उत्तर —</p> <ul style="list-style-type: none"> विषय विशेष पर विशेषज्ञता के साथ लिखा गया लेखन। चरित्र हनन की दृष्टि से सनसनीखेज़ समाचारों का संग्रहण एवं प्रसारण। एक सुव्यस्थित, सृजनात्मक 	1×5=5
	क	—	—		1
	ख	—	—		1
	ग	—	—		



				एवं आत्मनिष्ठ लेखन।	1
	घ	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ● प्रिंट माध्यम, इलेक्टॉनिक माध्यम। 	1
	ङ	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ● उल्टा पिरामिड शैली। 	1
	—	5 क	—	<ul style="list-style-type: none"> ● रेडियो, टेलिविज़न, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ (कोई दो) 	1
	—	ख	—	<ul style="list-style-type: none"> ● हंस, सरस्वती, प्रताप (अन्य भी स्वीकार्य) 	1
	—	ग	—	<ul style="list-style-type: none"> ● मुद्रित माध्यम से। ● प्रकाशित समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ। 	1
	—	घ	—	<ul style="list-style-type: none"> ● संवाददाता द्वारा भेजी गई खबरों तथा सामग्री को पठनीय बनाना। 	1
	—	ङ	—	<ul style="list-style-type: none"> ● गुप्त रूप से किया जाने वाला कार्य जो किसी भ्रष्टाचार, घोटाले या रिश्वतखोरी को उजागर करता है। 	1



	—	—	5	<ul style="list-style-type: none"> तीन प्रकार के— पूर्णकालिक, अंशकालिक, फ्रीलांसर 	$1/2+1/2=1$
	—	—	ख	<ul style="list-style-type: none"> इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन या खबरों का आदान-प्रदान। 	1
	—	—	ग	<ul style="list-style-type: none"> क्या, कौन, कब, कहाँ, कैसे, क्यों। 	1
	—	—	घ	<ul style="list-style-type: none"> सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्रों में होने वाले कामकाज पर निगाह रखना तथा किसी भी तरह गड़बड़ियों का पर्दाफाश करना। 	1
			ङ	<ul style="list-style-type: none"> वस्तुनिष्ठता। समसामयिक। 	1
6	6	6	6	<u>फीचर / रिपोर्ट लेखन—</u> <ul style="list-style-type: none"> विषय वस्तु — 2 रोचकता प्रस्तुति—2 भाषा — 1 	5
7	7	7	7	<u>आलेख लेखन—</u> <ul style="list-style-type: none"> विषय वस्तु — 2 प्रभावी प्रस्तुति —2 भाषा —1 	5



8	8 क	— क	8 क	खंड-ग काव्यांश पर आधारित प्रश्न	2×4=8
				<ul style="list-style-type: none"> वर्षा ऋतु के बाद शरद ऋतु का आगमन। चारों ओर उल्लास का वातावरण। साइकिल चलाते हुए, घंटी बजा कर सूचना देकर। प्रकृति का और अधिक सुंदर होकर। 	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> खरगोश की आँखों से। सुबह की लालिमा का स्पष्ट अनुभव। 	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> स्वच्छ एवं स्पष्ट आकाश बच्चों को पतंग उड़ाने के लिए बुलाता हुआ लगता है। बच्चों की कल्पनाशीलता एवं स्वभाव का चित्रण। 	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> आसमान इतना कोमल और साफ है जिसमें पतंग को उड़ाने के लिए पर्याप्त स्थान है। बच्चे ऊँचाई तक पतंग उड़ा सकते हैं। 	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	<ul style="list-style-type: none"> कवि कागज़ के पन्ने को खेत मानता है। 	



	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> जिस प्रकार खेत में बीज बोकर अन्न उपजाया जाता है उसी प्रकार हृदय में उमड़ी भावनाओं को कागज़ पर व्यक्त किया जाता है। भावनाओं की आँधी। विचारों की उथल-पुथल। 	1+1=2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> शब्दों में भावाभिव्यक्ति का विकास होना रचनाशील होना। सांसारिक और व्यावहारिक अनुभव से रचना करना। 	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> जिस प्रकार पत्तों और पुष्पों से छाया और सौरभ प्राप्त होते हैं। उसी प्रकार सृजित रचना से आनंद की अनुभूति होती है। 	2
9	9 क	8 क	9 क	<p><u>काव्यांश पर आधारित प्रश्न—</u></p> <ul style="list-style-type: none"> रुबाई छंद का प्रयोग। उर्दू शब्दों के साथ सरल हिंदी। 	2×3=6
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> रूपक अलंकार—चाँद रूपी बालक। पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार—रह—रह। 	2



	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● वात्सल्य रस ● माँ अपने बच्चे को अपने हाथों से झुलाती है, गोद में लेती है। ● हवा में उछालती है, बच्चा खुश होता है, हँसता है। 	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	<ul style="list-style-type: none"> ● तुलसी द्वारा पक्षी, साँप और हाथी के माध्यम से राम की मनोदशा का चित्रण किया है। ● पक्षी बिना पंख के। ● साँप बिना मणि के। ● हाथी बिना सूँड के वैसे ही राम बिना भाई के दुखी हैं। 	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● तत्सम प्रधान अवधी भाषा। ● करुण रस। ● अनुप्रास एवं विभावना अलंकार। ● दोहा, छंद। 	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● अनुप्रास अलंकार ● करिवर कर हीना ● बंधु बिन तोही ... आदि। 	2
10	10 क	10 क	10 क	<ul style="list-style-type: none"> ● माँ की प्रतीक्षा में। 	2×3=6



	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● भोजन की आशा में। ● चिंता में। 	3
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● सूर्योदय के पहले से सूर्योदय तक के दृश्यों से प्राकृतिक हलचल। ● भोर में राख द्वारा चूल्हे का लीपा जाना। ● सिल, खड़िया या चौके का दृश्य। ● आसमान के रंगों का बदलना। ● तालाब में युवतियों का स्नान। ● ग्रामवासियों का कार्य हेतु प्रवृत्त होना। 	3
11	11 क	12 क	11 क	<ul style="list-style-type: none"> ● भाव के अनुकूल भाषा का प्रयोग आवश्यक। ● भाव उलझ कर अभिव्यक्त नहीं हो पाता। ● अतः उलझन से बच कर भावानुकूल सरल भाषा का प्रयोग। 	3
				<p><u>पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न—</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● मन भावों से भरा हुआ था। ● मनोवेग चेहरे पर झलक रहे थे। ● हसरत भरी नज़रों से, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और 	2×4=8
					2



				भिंचे हुए होंठों से अपनी लाचारी को व्यक्त कर रही थी।	
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● अटारी स्टेशन सरहद पर है। ● यहाँ पर हिन्दुस्तानी और पाकिस्तानी पुलिस की अदला-बदली होती है। 	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● एक जमीन, एक जबान। ● एक सी सूरतें, लिबास तथा सब कुछ एक जैसा। ● एक-दूसरे का स्वागत करने का अंदाज भी एक जैसा। ● इन समानताओं में भी देशों की पहचान। 	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● दोनों ओर अविश्वास । ● एक-दूसरे के प्रति दुश्मनी। ● बदला लेने का भाव। ● अपने-अपने देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध। 	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	<p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● रसों का संबंध भावनाओं से है। ● भावों के अनुसार कलाकृति से आनंद की अनुभूति। 	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● जीवन में उतार-चढ़ाव तथा 	



				सुख—दुख आते रहते हैं। ● जीवन की सभी स्थितियों को सहर्ष स्वीकारना ही श्रेयस्कर।	2
	ग	ग	ग	● दूसरों के दुख या पीड़ा से उत्पन्न। ● स्वयं अनुभव न कर दूसरों के माध्यम से अनुभव करना।	2
	घ	घ	घ	● करुणा का हास्य में बदल जाना। ● भारतीय परंपरा में दूसरों के दुख से उत्पन्न हास्य दिखाई पड़ता है, स्वयं पर हास्य की स्थिति वहाँ दिखाई नहीं पड़ती।	2
12	12 क	11 क	12 क	<u>किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर</u> ● वास्तविक नाम लक्ष्मी परंतु उसके जीवन में अभाव एवं संघर्ष। ● नाम एवं जीवन परिस्थितियों में अंतर। ● वह सामाजिक व्यंग्य का सामना नहीं करना चाहती। ● 'भक्तिन' को यह नाम महादेवी द्वारा दिया गया। ● विशिष्ट सेवा—भक्ति के कारण यह नाम दिया गया।	3 3×4=12



	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● बाजार का जादू उसके प्रति विचित्र आकर्षण को कहा गया है। ● इसके चढ़ने पर व्यक्ति अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करने लगता है। ● अति स्वाभिमानी हो जाता है। ● जादू उतरने पर वह संयमी हो जाता है। ● आवश्यक वस्तुओं को ही खरीदता है। ● बाजार की उपयोगिता समझ पाता है। 	3
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● यह पानी अर्ध है, दान दोगे तभी भगवान पानी देंगे। ● पाँच-छह सेर गेहूँ बोने पर अधिक पैदावार। <p>(समीक्षा में बच्चों की समझ एवं अभिव्यक्ति पर आधारित उत्तर स्वीकार्य)</p>	3
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● गाँव के लोगों में संजीवनी भरने का काम। ● कमजोर आँखों में शक्ति का संचार। ● मृत्यु से भयभीत न होना। 	3
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> ● संन्यासी सुख-दुख में भी 	



				<p>समभाव से रहता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● शिरीष भी समभाव से सर्दी-गर्मी में जीवित रहता है। ● वातावरण से अमृत खींच कर प्रसन्न रहता है। ● संन्यासी की भाँति अविचल-अनासक्त। 	3
13	13	—	—	<p><u>मूल्यपरक प्रश्न</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● दृढ़ निश्चय। ● आत्मविश्वास। ● लगन। ● समर्पण। ● साहस। ● संघर्ष करने की शक्ति। ● बड़ों का सम्मान। <p>(इन मूल्यों की समीक्षा हेतु विद्यार्थियों की समझ एवं अभिव्यक्ति पर आधारित उत्तर स्वीकार्य)</p>	5
	—	13	—	<ul style="list-style-type: none"> ● आदर्शवादी हैं, समझौता नहीं कर पाते। ● अपनी पंरपराओं से मुक्त नहीं होते। ● किशन दा के व्यक्तित्व से 	



			13	<p>बेहद प्रभावित।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● वक्त के पाबंद। ● दिखावा व फिजूल खर्च के खिलाफ। ● वर्तमान मूल्यों का आदर तो करते हैं परंतु अपनाने से परहेज करते हैं। <p>(विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उपयुक्त उदाहरण एवं तर्क स्वीकार्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आर्थिक विपन्नता के कारण पढ़ने के साधन तथा अवसर का नहीं मिलना। ● पढ़ाई के लिए जिज्ञासु बच्चे को समाज में उचित माहौल का नहीं मिलना। ● संघर्ष तथा परिश्रम को अपना ध्येय मानना। <p>बदलाव –</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आज बदलाव आया है, लेकिन विद्यार्थियों के मूल्यों में गिरावट। ● सुविधा, अवसर का दुरुपयोग। ● दूर-देहात में आज भी बदलाव नहीं, उपेक्षा का शिकार। ● जातिवाद आज भी कायम। 	
--	--	--	----	--	--



14	14 क	14 क	14 क	<p>(जीवन मूल्यों से संबंधित उत्तर विद्यार्थियों की समझ के अनुसार स्वीकार्य)</p> <p><u>दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● आदर्शवादी, समय का पाबंद । ● फिजूलखर्ची से बचना । ● सहज, सरल जीवन जीने में विश्वास । ● काम के प्रति समर्पित । <p>इन मूल्यों के साथ वर्तमान समय में जीना तथा काम करना कठिन क्योंकि जीवन में अधिक पाने की इच्छा तथा अतृप्ति अधिक हावी है ।</p> <p>(विद्यार्थियों की समझ के अनुरूप उचित अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)</p>	5×2=10
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाज़ियों के अत्याचार का प्रमाण । ● हजारों यातना शिविरों, बंधुआ मजदूरों आदि के उत्पीड़न का साक्ष्य । ● यहूदियों पर हुए अत्याचार तथा भय के साये में जीवन का प्रमाण प्रस्तुत है । ● अपने आस-पास किसी प्रिय और भरोसेमंद मित्र के न होने के कारण अपनी भावना को अपनी प्यारी गुड़िया 	



	ग	ग	ग	<p>किट्टी को संबोधित कर लिखी।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अपने मराठी के शिक्षक से प्रभावित होकर। ● शिक्षक की तर्ज पर स्वयं अन्य काम करते हुए कविता गाना, उनकी ताल से अलग ताल पर कविता बैठा कर गाना। ● शिक्षक द्वारा लिखी कविता 'मालती के बेल' कविता पढ़ कर, फसलों पर, जंगली फूलों पर तुकबन्दी। ● शिक्षक द्वारा पढ़ते समय स्वयं कविता में रम जाना। ● सुरीला गला, छंद, यति-गति तथा रसिकता के साथ कविता पढ़ना। 	
--	---	---	---	---	--

